eHistory

eHistory
eHistory
eHistory
eHistory

खिलज़ी वंश

जलालूदीन फिरोज़ खलजी

1290-1296 CE

जीवन एक सैनिक के रूप में शुरू किया
'सर-ए-जहाँदार/शाही अंगरक्षक' का पद प्राप्त किया (समाना का सूबेदार) बना

कैकुबाद: 'शाइस्ता ख़ाँ' की उपाधि और 'आरिज-ए-मुमालिक' का पद दिया

सुल्तान: उम्र 70 वर्ष

पहला सुल्तान जिसकी आन्तरिक नीति दूसरों को प्रसन्न करने के सिद्धान्त पर थी

अमीर खुसरो और इसामी:

जलालूदीन ख़िलजी को **"भाग्यवादी व्यक्ति"** कहा है

जलालुद्दीन खिलजी की उपलब्धियाँ

अगस्त, 1290 में कड़ा-मानिकपुर के सूबेदार मलिक छज्जू (सुल्तान मुगीसुद्दीन) के विद्रोह को दबाया

कड़ा-मानिकपुर की सूबेदारी उसने अपने भतीजे अलीगुरशप को दी

1291 ई. में <u>रणथंभौर का अभियान</u> असफल रहा

1292 ई. में मंडौर एवं झाईन के क़िलों को जीतने में सफल

मंगोल आक्रमण

1292 ई.: मंगोल आक्रमणकारी अब्दुल्ला डेढ़ लाख सिपाहियों के साथ पंजाब पर आक्रमण कर सुनाम पतक पहुँच गया

मंगोल परास्त

चंगेज़ ख़ाँ के नाती उलग़ु द्वारा 400 मंगोल समर्थकों के साथ इस्लाम धर्म ग्रहण कर भारत में रहने का निर्णय

जलालुद्दीन ने **उलगू** के साथ ही अपनी **पुत्री का विवाह** किया रहने के लिए **दिल्ली** के समीप ***'मुगलपुर'*** नाम की बस्ती बसाई

बाद में उन्हें ही **‘नवीन मुसलमान’** के नाम से जाना गया

सिद्दी मौला की हत्या

ईरान के धार्मिक फकीर सिद्दी मौला को हाथी के पैरों तले कुचलवा दिया

1292 ई. भिलसा एवं देवगिरि अभियान

देवगिरि का आक्रमण मुसलमानों का दक्षिण भारत पर प्रथम आक्रमण **था**

अलीगुरशप

कड़ा का सूबेदार

जलालुद्दीन की हत्या

जलालुद्दीन ख़िलजी की हत्या का षड़यंत्र

अलीगुरशप ने अपने भाई अलमास बेग की सहायता ली

देवगिरि के लूटे गए माल को हासिल करने के लिए कड़ा बुलाया

धोखे से 1296 ई. कड़ा में हत्या

जलालुद्दीन की अति उदार नीति उसके पतन का कारण बनी

अपनी उदार नीति के कारण जलालुद्दीन ने कहा था, *"मैं एक वृद्ध मुसलमान हूँ और मुसलमान का रक्त बहाना मेरी आदत नहीं है"*

अलीगुरशप
1296-1316 CE

दिल्ली, बलबन के लालमहल में राज्याभिषेक 22 अक्टूबर 1296

उपाधी

'यामिन-उल-ख़िलाफ़त-नासिरी-अमीर-उल-मोमिनीन'

सिकंदर ए सानी

"अलाउद्दीन खिलज़ी"

अलाउद्दीन खिलज़ी की विजयें

1298 ई.गुजरात विजय

राजा कर्ण की सम्पत्ति एवं

पत्नी कमला देवी पर अधिकार

मलिक काफ़ूर

को एक हज़ार दीनार में ख़रीदा

जैसलमेर की विजय 1299 ई	रणथम्भौंर की विजय 1301 ई

1.राजा हम्मीर देव

2.रनमल द्वारा विश्वासघात

चित्तौड़ की विजय
28 जनवरी, 1303 ई.

- मेवाड़ की राजधानी
- राजा रतन सिंह

- जायसी– रानी पद्मिनी या पदमावती युद्ध का कारण
- खिज्र खाँ के नाम पर खिज्राबाद

मालवा की विजय 1305ई.

महलक देव व सेनापति हरहन्द को हराया

दक्षिण भारत

के अभियान

कारण

- धन–दौलत
- साम्राज्य विस्तार
- मलिक काफूर सेनापति

Kafoor

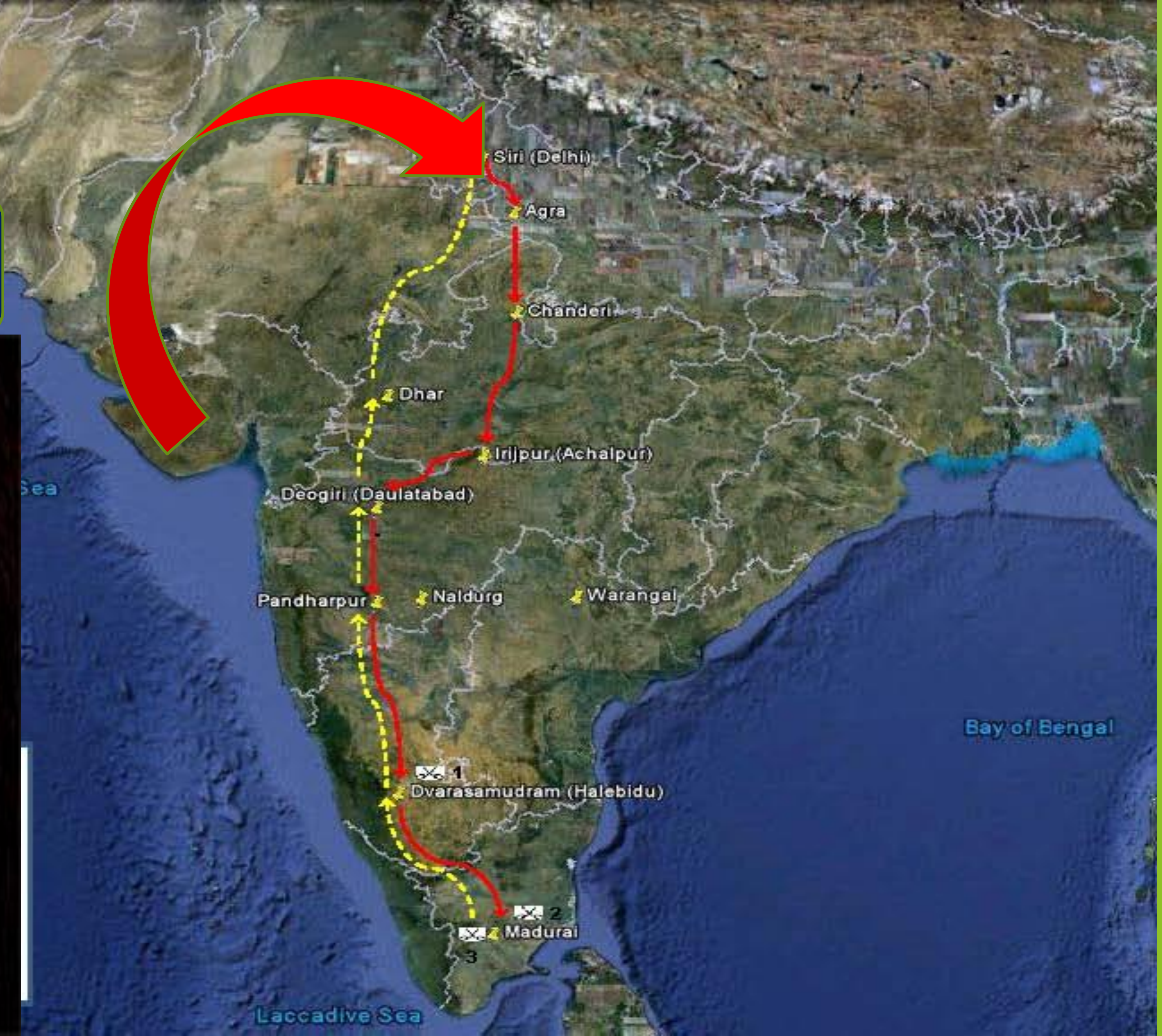
Persian Gulf
Arabian Gulf
Siri (Delhi)
Agra
Chanderi
Dhar
Irijpur (Achalpur)
Deogiri (Daulatabad)
Pandharpur
Naldurg
Warangal
1
Dvarasamudram (Halebidu)
2
Madurai
3
Bay of Bengal
Laccadive Sea

- तेलंगाना 1303 ई.
- राजा रूद्रदेव द्वितीय
- अपनी सोने की मूर्ति बनाकर आत्मसमर्पण

कोहीनूर

- **देवगिरी की विजय** 1296 ई.
- राजा रामचंद्र
- सुल्तान द्वारा क्षमा व एक लाख सोने के सिक्के

होयसेल की विजय

- द्वारसमुद्र राजधानी
- राजा बल्लाल देव
- 1310—1311 ई.

अलाउद्दीन के सुधार

सेना में सुधार

- सेना का गठन: –दीवान ए आरिज़
- स्थाई सेना और सेना विभाग स्थापित: आरिज–ए–मुमालिक

- फरिश्ता के अनुसार : 4,75,000 तीरंदाज, 5 लाख पैदल सैनिक
- ईरान मंगोलिया से घोड़ो का आयात
- युद्ध में लड़ने वाले हाथी शामिल

- चेहरा व दाग़ प्रथा
- नए सैनिक भर्ती
- नगद वेतन
- नए किले

सिरी

उत्तर पश्चिमी

सीमा

दिल्ली / आगरा

अलाउद्दीन
खिलजी
1296-1316 CE

आर्थिक सुधार

कारण

- विशाल व स्थाई सेना
- मंगोल आक्रमण

तीन तरह के बाजार स्थापित:–

1. खाना व अनाज

2. घोड़े, पशु व गुलाम

3. विदेशों से आयात कपड़े, आभूषण, रेशम, परफ्यूम

बाज़ार पर नियंत्रण रखने के लिए कुछ नए मंत्रियों की नियुक्तियां

- दीवान ए रियासत
- शाहना ए मंडी—बाजार मंत्री
- जवाबीत
- बरीद़— गुप्तचर

- कर में वृद्धी
- वस्तुओं के मुल्य कम किए
- अनाज स्टोर करना बंद किया
- राशनिंग व्यवस्था

नियम

- 1. लाईसेंस व्यवस्था
- 2. कठोर सज़ा
- 3. लोन
- 4. कर नगद या अनाज़ रूप में

समस्याएँ

- किसानों, व्यापारियों, दुकानदारों का विरोध
- बिचौलियों का विरोध

परिणाम

- मुल्य में कमी
- स्थाई व शक्तिशाली सेना
- आपदा में अनाज की कमी नहीं
- भ्रष्टाचार में कमी

प्रशासनिक सुधार

केन्द्रिय प्रशासन

मंत्रिमण्डल

दीवान ए वजारत

दीवान ए आरिज

दीवान ए इंशा

शाहना ए मंडी

दीवान ए रिसालत

क़ाज़ी उल क़ज़ात

दीवान ए कोही

मुस्तोफी

प्रांतीय प्रबन्ध

सूबा — वली / मुक्ति

परगना — आमिल

गांव — पंचायत प्रमुख संस्था

नम्बरदार,पटवारी,कानूनगो

राजस्व प्रबंध

प्रमुख कर

खराज, खम्स,

ज़ज़िया, ज़कात

खराज 1/4, 1/6

सिंचाई कर—10 वां भाग

भूमि की पैमाइश

खर्च: सेना पर—70%

वेतन पर –20 %

कल्याण कारी कार्य—10 प्रतिशत

राजनीतिक

सुधार

राजत्व का सिद्धांत

अमीरों पर प्रतिबंध

✓ धन–सम्पत्ति छीनना

शराबबंदी

सामाजिक मेल मिलाप पर रोक

प्रशासन को धर्म से अलग करना

जासूस व्यवस्था

भारी दण्ड व्यवस्था

कला में योगदान

Alai Darwaza

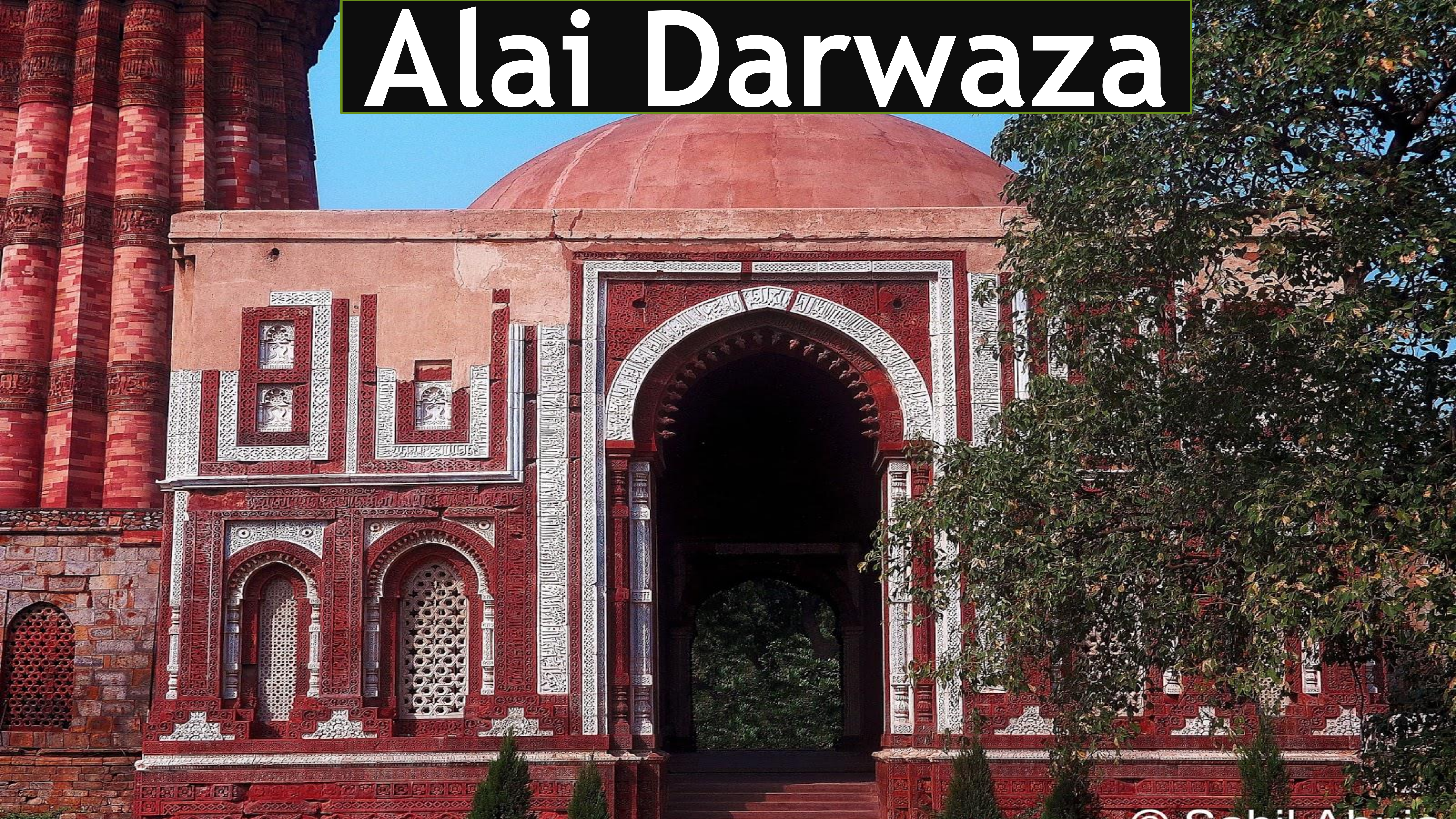

Hauj-khaas

Jamait Khanam

Ala-ud-din Khilji

Death

2 जनवरी 1316 ई.

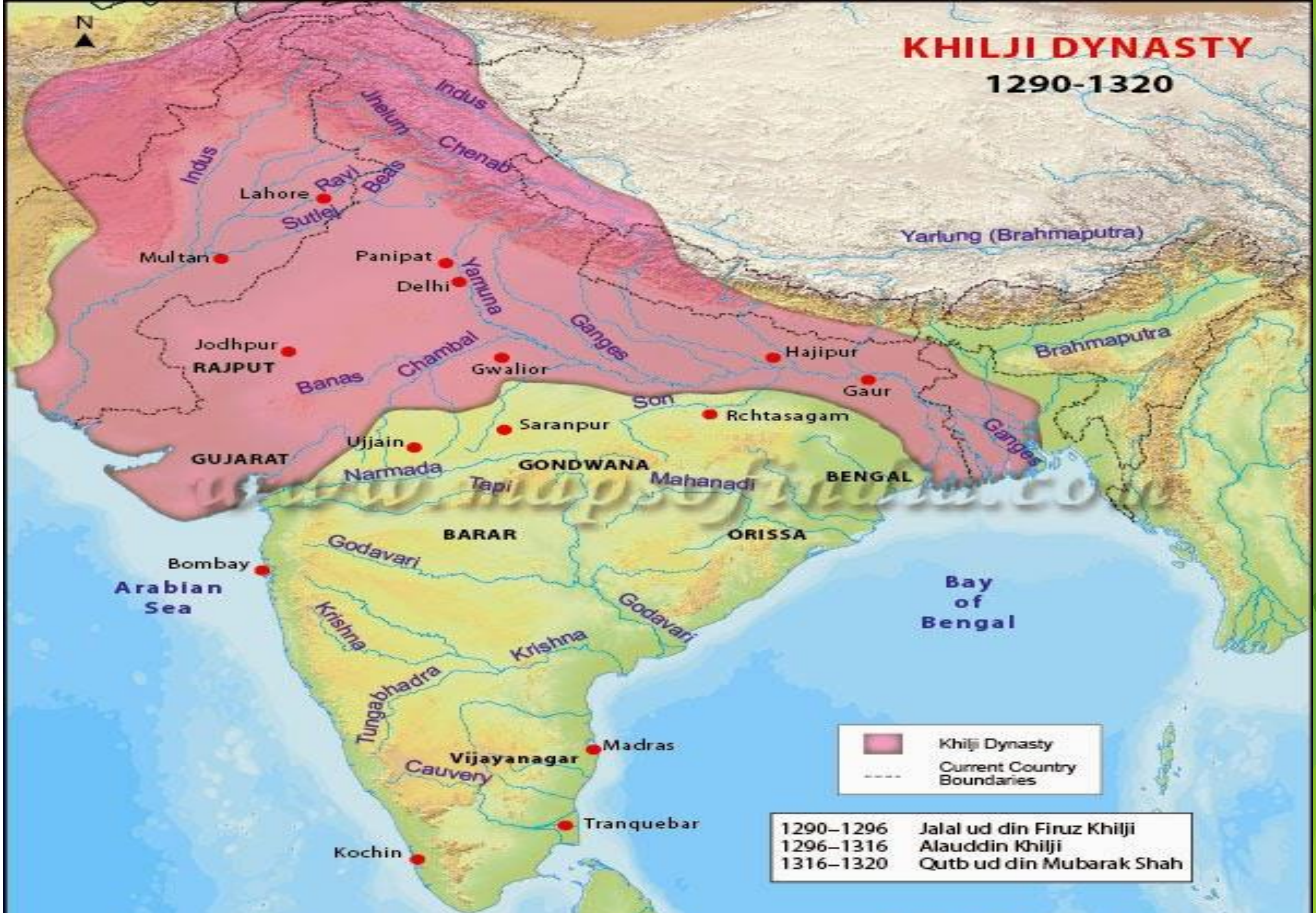
KHILJI DYNASTY
1290-1320
N
Indus
Jhelum
Chenab
Ravi
Beas
Sutlej
Lahore
Multan
Panipat
Delhi
Yamuna
Yarlung (Brahmaputra)
Ganges
Jodhpur
RAJPUT
Banas
Chambal
Gwalior
Hajipur
Brahmaputra
Gaur
Son
Rchtasagam
Saranpur
Ujjain
GUJARAT
Narmada
GONDWANA
Tapi
Mahanadi
BENGAL
Ganges
BARAR
ORISSA
Godavari
Bombay
Arabian Sea
Krishna
Godavari
Krishna
Bay of Bengal
Tungabhadra
Madras
Vijayanagar
Cauvery
Tranquebar
Kochin
Khilji Dynasty
Current Country Boundaries
1290–1296 Jalal ud din Firuz Khilji
1296–1316 Alauddin Khilji
1316–1320 Qutb ud din Mubarak Shah

तुगलक वंश

1320 to 1398

Tughlaq dynasty

ग्यासुद्दीन तुगलक
1320–1325

गाज़ी मलिक वास्तविक नाम

तुर्क पिता व जाट माता

पंजाब का सूबेदार बना

1320: दिल्ली पर आक्रमण

खुसरो शाह को हराकर सुल्तान ग्यासुद्दीन तुगलक की उपाधी धारण की

Conquests

वारंगल का अभियान

1321—1323

रुद्रप्रताप देव द्वितीय

उड़ीसा पर आक्रमण

जूनां खां के नेतृत्व में

भानू द्वितीय शासक

मंगोल विजय

1324—25: दो असफल आक्रमण

प्रशासनिक कार्य

राजस्व सुधार– बटाई प्रणाली

तुगलकाबाद की स्थापना

मृत्यु

1325 ई.
दिल्ली

लकड़ी के
बने स्टेज़ के
गिरने से

जूनां खां

1325–1351 ई.

उलग खां

मुहम्मद बिन तुगलक

मुहम्मद बिन तुगलक

बुद्धिमान या मुर्ख ?

चरित्र

विद्वान व हिंदूओं के प्रति

उदार

सहनशील

न्यायप्रिय व्यक्तित्व

क्रोधी व जल्दबाजी

करने वाला

कठोर व संदेही

मुहम्मद बिन तुगलक की हवाई योजनाएं

दोआब में कर वृद्धि

सबसे उपजाऊ क्षेत्र

गंगा–यमुना का क्षेत्र

1326 ई.– 4 गुणा तक कर बढ़ाया

अकाल– कम वर्षा

कर की जबरन वसूली

किसानों का विस्थापन

दमन की नीति का प्रयोग

सुल्तान को अधिकारियो द्वारा

दोआब की स्थिति के विषय में

गलत जानकारी प्रदान की

गइ

परिणाम

जान–माल का नुकसान

राजा अलोकप्रिय हो गया

खर्च में अत्यधिक वृद्धि

राजधानी परिवर्तन

दिल्ली से देवगिरी

कारण

मंगोल आक्रमण

देवगिरी केन्द्र में थी

सड़क निर्माण दिल्ली से देवगिरी

सरायों का निर्माण

देवगिरी में मस्जिदों, किलों

का निर्माण

देवगिरी का नाम बदल कर दौलताबाद रखा व राजधानी बनाया गया

जियाउद्दीन बर्नी ‘सभी को देवगिरी जाने व कठोरता से पालन करने का आदेश’

परिणाम

मंगोल आक्रमण आरंभ

जान –माल की हानि

पुन:दिल्ली वापसी

सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन

- कारण
- चांदी की कमी
- दान कार्यों से ख़ज़ाना खाली

तांबे के सिक्कों की शुरुआत

दाम सोने व चांदी के

बराबर

परिणाम

नकली सिक्के बनना आरंभ

विदेशियों ने सिक्के लेना बंद किया

हानि

तांबे के सिक्के वापिस मंगवाए

बदले में चांदी व सोने के

सिक्के देने का आदेश

विश्व विजय

का सपना

मध्य एशिया को जीतने का प्रयास

ख्वारिज़्म व फारस

3,70,000 की सेना तैयार

एक साल तक नगद

वेतन व प्रशिक्षण

परिणाम

सैनिक बेरोज़गार

लूटमार आरंभ

करांचल

अभियान

हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों को जीतने के लिए अभियान

कराचल...???

कांगड़ा व कुल्लु

किन्नौर व लाहौल स्पिति

तिब्बत

नेपाल

कराचल को जीता वापसी में अत्यधिक सर्दी, वर्षा, व भौगोलिक कठिनाईयां

बर्नी:– 3 सैनिक

इब्नबतुता:– 10 सैनिक

मंगोल आक्रमण: 1328—29

तारमशीरी खां नेता
धन देकर वापिस भेजा
मंगोलों को

विद्रोह

कमजोर शासन

अकाल

योजनाएं

विदेशी

इस्लाम का प्रचार

1326– सागर विद्रोह

1327–मुल्तान विद्रोह

1335–माबर विद्रोह

1338–बंगाल विद्रोह

1340– अवध विद्रोह

1344–वारंगल विद्रोह

1351–गुजरात विद्रोह

“असमानताओं का मिश्रण”

SUBSCRIBE
FOR
UPDATES

Sandeep K. Kanishk
Assistant Professor of History